ED-651

M.A. 4th Semester
Examination, May-June 2021

HINDI

Paper - V

हिन्दी आलोचना तथा समीक्षाशास्त्र

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. अभिव्यञ्जनावाद क्या है? इसे समझाते हुए इसकी विशेषताओं तथा सीमाओं पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

मार्क्सवाद का परिचय देते हुए मार्क्सवादी समीक्षा पद्धति की विवेचना कीजिए।

2. 'हिन्दी कवि आचार्यों की देन' पर निबन्ध लिखिए। 15

अथवा

डॉ० रामविलास शर्मा की समीक्षात्मक दृष्टि का वैशिष्ट्य निरुपित कीजिए।

3. हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए। 15

अथवा

मनोविश्लेषणवादी आलोचनात्मक का वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित काव्यांश की व्यावहारिक समीक्षा कीजिए : 15

''तुलसीबाबा, भाषा मैंने तुमसे सीखी,
मेरी सजग चेतना में तुम रमे हुए हो।
कह सकते थे तुम सब कड़वी, मीठी, तीखी।
प्रखर काल की धारा पर तुम जमे हुए हो।
और वृक्ष गिर गए, मगर तुम थमे हुए हो।
कभी राम से अपना कुछ भी नहीं दुराया,
देखा, तुम उनके चरणों पर नमे हुए हो।''

अथवा

''मानस-मन्दिर में सती, पति की प्रतिमा थाप,
जलती सी उस विरह में बनी आरती आप।
आँखों में प्रिय मूर्त्ति थी, भूले थे सब भोग,

हुआ योग से भी अधिक उसका विषम-वियोग।
आठ पहर चौंसठ घड़ी स्वामी का ही ध्यान,
छूट गया पीछे स्वयं उससे आत्मज्ञान।''

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** के अतिसंक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5

(*i*) अस्तित्ववाद क्या है ?

(*ii*) अभिजात्यवाद का परिचय दीजिए।

(*iii*) उत्तर आधुनिकता से आप क्या समझते हैं ?

(*iv*) शास्त्रीय समीक्षा क्या है ?

(*v*) ऐतिहासिक आलोचना की क्या विशेषताएँ हैं ?

(*vi*) केशवदास अथवा देव का परिचय दीजिए।

6. निम्नलिखित किन्हीं **दस** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1×10

(*i*) मनोविश्लेषणवाद के जन्मदाता कौन हैं ?

(*ii*) 'अनुकरण' किनका सिद्धान्त है ?

(*iii*) साहित्य-दर्पण के रचनाकार कौन हैं ?

(*iv*) 'हिन्दी साहित्य का बीसवीं शताब्दी' किनकी रचना है ?

(*v*) हिन्दी के एक रसवादी आलोचक का नाम लिखिए।

(*vi*) मार्क्सवादी विचारधारा का प्रवर्त्तन किसने किया ?

(*vii*) अभिव्यंजनावाद की तुलना हिन्दी के किस सम्प्रदाय से की जाती है ?

(*viii*) 'दूसरी परम्परा की खोज' के रचनाकार कौन हैं ?

(*ix*) प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना कब हुई ?

(*x*) ज्यां-पाल सार्त्र किस प्रकार के समीक्षक माने जाते हैं ?

(*xi*) 'नाट्यशास्त्र' के प्रणेता कौन हैं ?

(*xii*) बाबू श्यामसुन्दर दास सौन्दर्यशास्त्रीय समीक्षक हैं अथवा शास्त्रवादी।

———